देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 20 अंक: 334 पृष्ठ : 8 मूल्यः एक रूपए

पेज थ्री

देहरादून, रविवार, 1 मार्च 2026

विचार–प्रवाह...
भारतीय राजनीति की महिला गजनी

मौसम — अधिकतम 27.0° न्यूनतम 13.0°

82924.41

2 हथियार डालें या मौत का सामना करे

7 आकिब नबी के आगे कर्नाटक ने टेके घुटने

अमेरिका–इजरायल का ईरान पर हमला

ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन को बनाया निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। इजरायल ने अमेरिका की मदद से ईरान पर बड़ा हमला किया है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, सेंट्रल तेहरान में धमाकों की आवाज सुनी गई। पहला हमला सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के ऑफिस के पास हुआ। सुप्रीम लीडर खामेनेई को हमले से पहले ही सुरक्षित जगह भेज दिया गया। तेहरान में मेहराबाद एयरपोर्ट पर हमले की आवाज सुनी गई। ईरान पर हमला करने के बाद इजरायल ने अपने लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है और सुरक्षित जगहों पर रहने की अपील की है। कर्मचारियों को शेल्टर में जाने के लिए कहा गया है।

इजरायल के रक्षा मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा, इजरायल ने ईरान के खिलाफ एक प्रिवेंटिव मिसाइल हमला किया है। ईरान में राष्ट्रपति भवन को निशाना बनाया गया। इसके साथ ही कई मंत्रालयों के भवन पर भी हमला हुआ है। इजरायल ने ईरान की खुफिया एजेंसी के दफ्तर पर निशाना साधा है। इजरायल ने ईरान में करीब 30 ठिकानों पर हमला किया है।

इजरायली सेना ने कहा कि उसने देश भर के इलाकों में एयर रेड सायरन बजा दिए हैं ताकि जनता को जवाबी कार्रवाई में इजरायल की ओर मिसाइल दागे जाने की संभावना के लिए तैयार किया जा सके। यह संघर्ष तब शुरू हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मेजर कॉम्बैट ऑपरेशंस की घोषणा की। इसके तहत, इजरायल ने ईरान के प्रमुख ठिकानों, मिसाइल और न्यूक्लियर साइटों पर हमले किए।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजरायल और अमेरिका ने ईरान से पैदा हुए अस्तित्व के खतरे को खत्म करने के लिए एक ऑपरेशन शुरू किया है। हमारा मकसद साफ है कि इस खूनी आतंकवादी सरकार के पास न्यूक्लियर हथियार नहीं होने चाहिए जो उसे पूरी इंसानियत के लिए खतरा बनने दें। हमारी मिलकर की गई कार्रवाई से हिम्मत वाले ईरानी लोगों के लिए अपनी किस्मत अपने हाथों में लेने के हालात बनेंगे।

इजरायल ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। स्कूलों को भी अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है। इजरायल ने पूरे देश में इमरजेंसी लगा दी है।

ईरान के रक्षा मंत्री और गार्ड्स कमांडर मारे गए

ईरान के रक्षा मंत्री अमीर नसीरजादेह और रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर मोहम्मद पाकपोर इजरायली हमलों में मार गए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल की सैन्य कार्रवाइयों से परिचित दो सूत्रों और एक क्षेत्रीय सूत्र ने यह जानकारी दी है।

ईरान के रक्षा मंत्री और गार्ड्स कमांडर मारे गए

ईरान के मीनाब शहर में लड़कियों के स्कूल पर इजरायल–अमेरिका की ओर से किए गए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने शनिवार को यह जानकारी दी। हमले में 45 अन्य लोग घायल हुए हैं। यह हमला उस बड़े सैन्य अभियान का हिस्सा है जो इजरायल और अमेरिका ने ईरान के विभिन्न ठिकानों पर शुरू किया है। दक्षिणी प्रांत हरमोजगान के मीनाब शहर में ईरान की रिवॉल्यूशनरी गार्ड का एक यूनिट मौजूद है, जिसे संभवतः टारगेट बनाया गया था। लेकिन, स्कूल पर सीधा प्रहार होने से नागरिकों, खासकर बच्चियों की जान गई।

रूस ने कड़ी निंदा की

रूस के विदेश मंत्रालय ने ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार रूस ने इन हमलों को पहले से योजनाबद्ध और बिना उकसावे की गई सशस्त्र आक्रामक कार्रवाई बताया है। मॉस्को ने कहा कि इस तरह की सैन्य कार्रवाई पश्चिम एशिया की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। रूस ने सभी पक्षों से तनाव कम करने और कूटनीतिक समाधान की दिशा में तुरंत कदम उठाने की अपील की है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन ने क्षेत्र के देशों पर ईरान के हमलों की कड़ी निंदा की है। तुर्किये ने सभी पक्षों से तुरंत हमले रोकने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

अलर्ट मोड पर भारत के इंटरनेशनल एयरपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। मध्य–पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने एहतियातन कदम उठाते हुए देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों को अलर्ट मोड पर रख दिया है। संभावित उड़ान डायवर्जन और अनियोजित लैंडिंग की आशंका को देखते हुए एएआई व निजी हवाईअड्डा संचालकों को ग्राउंड हैंडलिंग, पार्किंग बे, इमिग्रेशन सहायता तथा क्रू लॉजिस्टिक्स सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ और तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में यात्रियों को असुविधा न हो। नागरिक उड्डनय मंत्री के राममोहन नायडू ने की एक समीक्षा बैठक।

चीन की अपील– तुरंत युद्धविराम हो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज बीजिंग। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर चीन ने गहरी चिंता जताई है और सभी पक्षों से तुरंत युद्धविराम की अपील की है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाए।

ईरान का इजरायल और अमेरिका पर चौतरफा पलटवार

8 देशों पर हमला, ऊंची इमारतों वाला दुबई भी मिसाइल हमलों से दहला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया है। इस हमले के जवाब में ईरान की तरफ से भी मध्य–पूर्व में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को चुन–चुनकर निशाना बनाया जा रहा है।

ईरान ने भी पलटवार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। ईरान ने मध्य–पूर्व में मौजूद अमेरिकी बेसों को निशाना बनाते हुए इजरायल ने कतर, बहरीन, जॉर्डन, आबू धाबी इराक समेत कुल आठ देशों को निशाना बनाया। ऊंची इमारतों और सुरक्षा के लिए जाने जाने वाला संयुक्त अरब अमीरात भी ईरानी हमलों से दहल उठा। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ईरानी हमलों में यूएई में एक व्यक्ति की मौत की खबर सामने आई है। इजरायल–अमेरिका द्वारा किए गए तेहरान पर हमले के बाद ईरान ने भी जंग का ऐलान कर दिया है। ईरानी पार्लियामेंट के नेशनल सिक्योरिटी कमीशन के हेड इब्राहिम अजीजी ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमने आपको चेतावनी दी थी लेकिन आपने उसे नहीं माना। अब आप एक ऐसे रास्ते पर चल पड़े हैं, जिसका अंत अब आपके कंट्रोल में नहीं है। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि देश के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ और सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी पूरी तरह सुरक्षित हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि इस्राइल की ओर से शीर्ष नेताओं को निशाना बनाए जाने के दावों के बावजूद ईरानी नेतृत्व सामान्य रूप से काम कर रहा है।

अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमला करने के बाद यमन के हूतियों ने भी अपना रुख जाहिर कर दिया है। हूति विद्रोहियों की तरफ से कहा गया है कि वह लाल सागर में मौजूद अमेरिकी और इजरायली जहाजों को फिर से निशाना बनाना शुरू करेंगे।

स्कूल पर किए गए हमले का जवाब दिया जाएगा: ईरानी विदेश मंत्री

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि लड़कियों के स्कूल पर हमले का जवाब जरूर दिया जाएगा। अब्बास अराघची ने कहा है कि दक्षिणी ईरान के होर्मोजगान प्रांत के मीनाब शहर में लड़कियों के प्राथमिक स्कूल पर हुए हमले का जवाब जरूर दिया जाएगा। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक इजरायल की तरफ से किए गए इस हमले में करीब 53 मासूम लड़कियों की मौत हुई है।

संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाया जाना चाहिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर भारत ने गहरी चिंता जताई है। भारत सरकार ने सभी पक्षों से संयम बरतने, हालात को और न बिगाड़ने तथा नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है। बयान में कहा गया कि तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाया जाना चाहिए तथा सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान जरूरी है।

भारत ने बताया कि क्षेत्र में मौजूद भारतीय मिशन नागरिकों के संपर्क में हैं और उन्हें सतर्क रहने व स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। भारत ने इजरायल में रह रहे अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर सतर्क रहने के लिए कहा है।

भारतीय दूतावास की तरफ से एडवाइजरी जारी करते हुए कहा गया, इलाके में मौजूदा सुरक्षा हालात को देखते हुए, इजराइल में सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे बहुत सावधानी बरतें और हर समय चौकन्ने रहें। भारतीय दूतावास की तरफ से आगे कहा गया, श्भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे इजराइली अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड द्वारा जारी सुरक्षा गाइडलाइंस और निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

अपील

■ईरान और खाड़ी क्षेत्र के हालात पर भारत ने जताई चिंता

एयर इंडिया ने मिडिल–ईस्ट के लिए फ्लाइट्स कैंसिल की

मध्य–पूर्व में जारी तनाव को देखते हुए एयर इंडिया ने इस क्षेत्र में जाने वाली अपनी सभी फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया है। इससे पहले गल्फ देशों समेत सीरिया ने अपने एयर स्पेस को बंद कर दिया है। इसके अलावा तुर्किश एयरलाइनंस ने भी इस क्षेत्र को जाने वाली अपनी फ्लाइट्स को दो मार्च तक के लिए स्थगति कर दिया है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development — All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding — 1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries) 2. Social Media 3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation — A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly. You tell us, we do it.
Contact: Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

ईरान के लोगों को आजादी चाहिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■राष्ट्रपति ट्रंप बोले- हम सुरक्षित दुनिया चाहते हैं

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। वॉशिंगटन पोस्ट से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि उनका उद्देश्य एक सुरक्षित राष्ट्र सुनिश्चित करना है और वे चाहते हैं कि लोगों को आजादी मिले। उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ लोगों के लिए आजादी चाहता हूं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

इससे पहले ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर जारी वीडियो संदेश में ईरान की जनता से अपनी सरकार के खिलाफ खड़े होने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि यह शायद आने वाली पीढ़ियों के लिए बदलाव का एकमात्र मौका हो सकता है। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी कार्रवाई का मकसद सुरक्षा खतरों को खत्म करना है।

इस घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता और प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं तथा क्षेत्र में हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं।

हथियार डालें या मौत का सामना करें ईरान

रिपोर्ट

ईरान पर हमला करने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दो टूक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा रुख अपनाते हुए उसे एक सीधी और सख्त चेतावनी दी है। अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर किए गए एक बड़े संयुक्त सैन्य हमले के बाद ट्रंप ने ईरान से साफ शब्दों में कहा है कि वह अपने हथियार डाल दे या फिर निश्चित मौत का सामना करे। यह बड़ी सैन्य कार्रवाई मुख्य रूप से ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने और मिसाइल विकसित करने से रोकने के लिए की गई है।

ट्रंप ने इस पूरे घटनाक्रम और अमेरिकी रणनीति की जानकारी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल के जरिए दी। एक वीडियो संदेश साझा करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान पर हुए अमेरिका–इस्राइल के संयुक्त हमले की आधिकारिक पुष्टि की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ईरान की

परमाणु महत्वाकांक्षाओं को किसी भी कीमत पर पूरा नहीं होने दिया जाएगा। ट्रंप ने अपने संदेश में कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता और अमेरिका उसके परमाणु ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर देगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका के लोगों को ईरान के खतरनाक लोगों से बचाना है। 47 वर्षों से ईरानी शासन दुनिया और अमेरिका के निर्दोष लोगों को लिए खतरा बना हुआ है। अमेरिका के लोगों को ईरान के खतरनाक लोगों से बचाना है। 47 वर्षों से ईरानी शासन दुनिया और अमेरिका के निर्दोष लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। ईरान दुनिया का सबसे बड़ा राज्य समर्थित आतंकवाद का पोषक देश है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने स्वीकार किया है कि ईरान के हमलों के बाद अमेरिकी हताहत हो सकते हैं, उन्होंने कहा कि श्युद्ध में ऐसा अक्सर होता है।

राष्ट्रपति का दावा किया, ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने और लंबी दूरी की मिसाइलों का विकास जारी रखने का प्रयास किया है जो अब यूरोप में हमारे बहुत अच्छे दोस्तों और सहयोगियों, विदेशों में तैनात हमारे सैनिकों के लिए खतरा बन सकती हैं और जल्द ही अमेरिकी धरती तक पहुंच सकती हैं।ष् ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान में तानाशाही को अमेरिका के लिए खतरा बनने से रोकने के लिए एक विशाल अभियान चला रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को ईरानी जनता से सरकार की बागडोर अपने हाथ में लेने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि इस्राइल की ओर से हमले शुरू करने के बाद अमेरिका ने ईरान में बड़े पैमाने पर लड़ाकू अभियानश शुरू कर दिए हैं। ट्रंप ने ईरान पर हमलों को एक नेक मिशनश बताया और कहा कि ये हमले आवश्यक थे क्योंकि ईरान परमाणु हथियार और मिसाइल प्रणालियां विकसित करने की कोशिश कर रहा था जो अमेरिका तक पहुंच सकती थीं।

एक दिन का युद्ध और बदल जाएगा पाकिस्तानी नक्शा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज काबुल। अफगानिस्तान के गृहमंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी ने पाकिस्तान में श्फिदायीनश हमला करने की धमकी दी है। ये पाकिस्तान–अफगानिस्तान युद्ध के खतरनाक मोड़ पर जाने की आशंका को दिखाता है।

नाटो के खिलाफ तालिबान की लड़ाई का जिक्र करते हुए सिराजुद्दीन हक्कानी ने कहा है कि अगर तालिबान एक दिन के लिए भी पाकिस्तान के साथ सख्ती से लड़े तो वे पाकिस्तान का नक्शा फिर से बना सकते हैं। हक्कानी ने कहा कि मैं खुदा की कसम खाता हूं अगर ऐसा हुआ और हम उस तरह से काम करने लगे (शायद सुसाइड और कॉम्प्लेक्स हमलों का जिक्र) तो एक दिन भी पाकिस्तान का नक्शा बदलने के लिए काफी होगा।

आपको बता दें कि अमेरिका जब अफगानिस्तान युद्ध लड़ रहा था उस वक्त तालिबान के लड़ाके फिदायीन हमला करते थे। वो गुरिल्ला युद्ध में माहिर थे। उस दौरान अफगानिस्तान में हर दूसरे दिन बम धमाके होते रहते थे। जिस आखिरी दिन अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान से बाहर निकल रहे थे उस दिन भी काबुल में भयानक बम धमाका हुआ था जिसमें 150 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। माना जा रहा है कि सिराजुद्दीन हक्कानी पाकिस्तान को वैसी ही धमकी दे रहे हैं।

किम जोंग उन ने अधिकारियों को नई स्नाइपर राइफलें भेंट कीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नॉर्थ कोरिया। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के एक सप्ताह लंबे सम्मेलन के समापन पर देश के शीर्ष अधिकारियों को सम्मानित किया। तानाशाह किम जोंग ने अपनी लीडरशिप का जश्न मनाने के लिए देश के शीर्ष सैन्य और सरकारी अधिकारियों को नई स्नाइपर राइफलें भेंट कर सम्मानित किया। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने शनिवार को बताया कि किम ने शुक्रवार को वरिष्ठ पार्टी और सैन्य अधिकारियों को राइफलें भेंट कीं और उन्हें 2021 में हुए पिछले वर्कर्स पार्टी कांग्रेस के बाद से पिछले पांच वर्षों में उनकी प्रतिबद्धता के लिए अपने श्पूर्ण विश्वासष् और कृतज्ञता का प्रतीक बताया। नॉर्थ कोरिया की सरकारी मीडिया ने उनकी बेटी की एक तस्वीर को प्रमुखता से दिखाया है, जिसमें वह शूटिंग रेंज में निशाना साध रही है।

तालिबान ने पाकिस्तान के लड़ाकू विमान को मार गिराने का किया दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के एक लड़ाकू विमान को मार गिराने का दावा किया है। टोलो न्यूज ने पाकिस्तान के सुरक्षा सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। टोलो न्यूज ने दावा किया है कि फगान सेना ने नंगरहार प्रांत में एक पाकिस्तानी जेट को मार गिराया है।

सूत्रों के हवाले से टोलो न्यूज ने दावा किया है कि पाकिस्तान के पायलट को जिंदा पकड़ लिया गया है। पेज थ्री इस दावे की पुष्टि नहीं करता है। हालांकि टोलो न्यूज ने ना तो पकड़े गये पायलट का नाम बताया है और ना ही किस विमान को गिराया है उसकी ही जानकारी दी है। इसके

■पायलट को जिंदा पकड़ा, तोरखम में जंग

अलावा ये भी नहीं बताया है कि आखिर तालिबान ने पाकिस्तान के लड़ाकू विमान को कैसे मार गिराया? अफगान मीडिया का कहना है कि तालिबान के सैनिकों और पाकिस्तानी सेना के बीच तोर्खम में भीषण जंग हो रही है। हुर्रियत रेडियो के एक लोकल रिपोर्टर ने तोर्खम से एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उन्होंने कहा है कि आज सुबह तोर्खम में फिर से झड़पें शुरू हो गई हैं। तोर्खम के कमिश्नर मुल्ला ताज मोहम्मद नक्शबंदी ने बताया है कि अफगान सेनाओं ने तोर्खम में दुश्मन के सप्लाई डिपो, मिलिट्री ठिकानों और तीन जरूरी टावरों को तबाह कर दिया है। उन्होंने बताया कि इन हमलों में पाकिस्तानी सैनिकों को काफी नुकसान हुआ है।

इससे पहले तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक बड़ा दावा किया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, जबीहुल्लाह ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान में एक विशेष गुट इलाके को अस्थिर करने में लगा हुआ है। अफगानिस्तान के एरियाना न्यूज के अनुसार, कंधार में एक प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुजाहिद ने देशों से उपद्रव फैलाने वालों को रोकने की अपील की। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की एयर फोर्स ने पाकिस्तान के सैन्य केंद्रों को निशाना बनाया है। उनसे पूछा गया कि अगर अन्य देश लड़ाई रोकने की मांग करते हैं तो तालिबान का क्या रुख होगा।

एआई की रेस में सबसे आगे ओपनएआई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिका। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी व्यमद ।प् को तीन दिग्गज कंपनियों से 110 बिलियन डॉलर की रिकॉर्ड फंडिंग मिली है। इस निवेश दौर के बाद कंपनी का प्री–मनी वैल्यूएशन बढ़कर 730 बिलियन डॉलर हो गया है। दरअसल, चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई को अमेजन, सॉफ्टबैंक और एनवीडिया से 110 बिलियन डॉलर की फंडिंग मिली है। तीनों कंपनियों में सबसे अधिक निवेश करने वाली कंपनी अमेजन है, जिसने 50 अरब डॉलर का निवेश किया है। इसके बाद एनवीडिया और सॉफ्टबैंक ने 30–30 अरब डॉलर का निवेश किया है। अमेजन शुरुआती तौर पर 15 अरब डॉलर का निवेश करेगी।

न्यूज डायरी

तेहरान की सड़कों पर धुआं और अफरा–तफरी का माहौल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। इजरायल–अमेरिका ने ईरान पर बड़ा हमला किया है। इजरायल–अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बीच राजधानी तेहरान के ऊपर घना धुआं छा गया और सड़कों पर अफरा–तफरी का माहौल हो गया। इस हमले का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में ईरान की राजधानी तेहरान में हमले वाले जगह अफरा–तफरी दिख रही है। जिसमें लोग अपनी गाड़ियों से भागते हुए नजर आ रहे हैं। हमले के बाद ईरान में मोबाइल सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। एपी की एक रिपोर्ट के अनुसार, सेंट्रल तेहरान में धमाकों की आवाज सुनी गई। यह हमला ईरान सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के कार्यालय के पास हुआ। हालांकि, खामेनेई तेहरान में नहीं थे और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। हमले के बाद तेहरान धुएं से भर गया। इजरायल के रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज ने हमले को खतरों को दूर करने के उद्देश्य से किया गया बताया। इजरायली सेना ने कहा कि उसने ष्जनता को इजरायल राज्य की ओर मिसाइलें दागे जाने की संभावना के लिए तैयार करने हेतु एक सक्रिय चेतावनी जारी की थी। इजरायल द्वारा हमले के बाद यरुशलम और तेल अवीव में सायरन सुनाई दिए। ताकि जनता को ईरान के जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार किया जा सके। सूत्रों के हवाले से बताया कि यह हमला इजरायल ने अमेरिका की मदद से की है। हमले के बाद ईरान ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया, जिसके चलते तेल अवीव और अम्मान से आने वाली उड़ानों को दूसरी दिशा में मोड़ना पड़ा। ईरान के खिलाफ एक प्रिवेंटिव मिसाइल हमला किया गया है।

बांग्लादेश की सेना में भारी फेरबदल, जनरल फैजुर हटाए गये

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। मोहम्मद यूनुस ने अपने शासनकाल में बांग्लादेश की सेना को खेमों में बांट दिया था। लेकिन अब जब वो चले गये हैं और तारिक रहमान देश के प्रधानमंत्री हैं तो उन्होंने सेना में सफाई अभियान शुरू कर दिया है। तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के कुछ ही दिनों में बांग्लादेश सेना ने क्वार्टरमास्टर जनरल समेत कई टॉप पोस्ट पर नए सैन्य अधिकारियों को नियुक्त किया है। रिपोर्ट के मुताबिक जिन अधिकारियों को उनके पदों से हटाया गया है उनमें पाकिस्तान और मोहम्मद यूनुस से करीबी संबंध रखने वाले अधिकारी हैं। पिछले 10 दिनों में बांग्लादेश की सेना में शीर्ष अधिकारियों के बीच ये दूसरी बार फेरबदल किया गया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने आर्मी चीफ वकार उज जमान से मुलाकात की थी। लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद फैजुर रहमान, जिनपर पाकिस्तान से करीबी संबंध रखने के आरोप थे, उन्हें पद से हटाकर नेशनल डिफेंस कॉलेज का कमांडेंट बना दिया गया है। यानि उनके पर कतर दिए गये हैं। उनके अलावा लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद शाहीनुल हक को भी पद से हटा दिया गया है। पिछले साल रहमान ने बांग्लादेश आर्मी में आर्मी चीफ जमान के खिलाफ सत्ता परिवर्तन करने की कोशिश की थी। उन्हें मोहम्मद यूनुस का समर्थन हासिल था। लेकिन उनकी कोशिश नाकाम हो गई थी। जनवरी 2025 में रहमान ने पाकिस्तान की इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस के एक डेलीगेशन के साथ बैठक की थी जो इस्लामाबाद का एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए ढाका आया था।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों यूरोप को देंगे परमाणु छतरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। अमेरिका के साथ चल रहे तनाव के बीच यूरोप को फ्रांस ने बड़ा सहारा दिया है। फ्रांस ने ऐलान किया है कि वह रूसी हथियारों के खतरे को देखते हुए यूरोप को परमाणु सुरक्षा मुहैया कराएगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने अभी यह नहीं बताया है कि फ्रांसीसी परमाणु बम किसी तरह से यूरोप की सुरक्षा को मजबूत करेंगे। यूरोप के कई देश इस समय डरे हुए हैं। इसके पीछे बड़ी वजह है रूस के परमाणु हथियार और मिसाइलें और अमेरिका का यूरोपीय सुरक्षा से पैर खींचना। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस लगातार पोलैंड से लेकर फिनलैंड की सीमा तक सैन्य तैयारी को मजबूत कर रहा है। रूस लगातार परमाणु हमला करने में सक्षम मिसाइलों से यूक्रेन पर सफल हमले करके यूरोप देशों को कड़ा संदेश दे रहा है। इन रूसी मिसाइलों को अमेरिकी और यूरोपीय एयर डिफेंस सिस्टम भी यूक्रेन में रोक नहीं पा रहे हैं।

Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

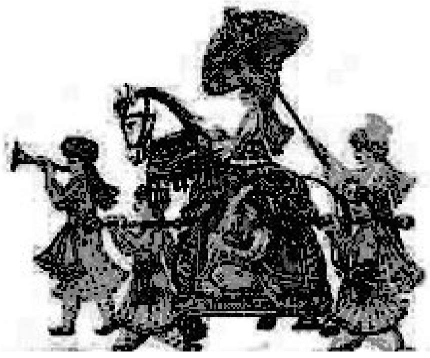

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

हमारा एकमात्र लक्ष्य उत्तराखंड को आगे बढ़ाना हैः मुख्यमंत्री

सीएम ने हल्द्वानी में 40 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

शिलान्यास

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 147 करोड़ 28.56 लाख की 40 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया, जिसमें 72 करोड़ 38 लाख की लागत से 23 योजनाओं का लोकार्पण तथा 74 करोड 90 लाख 56 हजार की लागत से 17 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकार्पण एवं शिलान्यास की गई योजनाओं से नैनीताल जिला विकास की नई रफ्तार से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड को विकसित उत्तराखंड बनाने की ओर तीव्रता से कार्य कर रही है। राज्य प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। राज्य सरकार द्वारा लिए गए कई ऐतिहासिक निर्णय अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकास के साथ-साथ विरासत को भी आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा एकमात्र लक्ष्य उत्तराखंड को आगे बढ़ाना है, जिस पर हम संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता, सख्त नकल-विरोधी कानून, धर्मांतरण कानून जैसे कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि राज्य की संस्कृति, विरासत और पवित्रता से किसी को भी खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने शिप्रा नदी में 30 मीटर स्पान के मोटर पुल, राजकीय औद्योगिक संस्थान हल्द्वानी में टैक्नोलॉजी लैब, कोटाबाग में नलकूप निर्माण, महादेवपुरम व झलुवाझाला नलकूप, बेलपोखरा नलकूप तथा बैलपड़ाव में सिंचाई नलकूप का लोकार्पण के साथ-साथ महिला महाविद्यालय में लैब निर्माण, लालकुआ में नलकूपों पर स्टैबलाइजर एवं जलजीवन मिशन के अंतर्गत 14 पेयजल योजनाओं कृ हरिपुर लच्छी, कालूपुर पोखरिया, जीतपुर रैक्वाल, देवलातल्ला, भवानसिंह नवाड़, बसन्तपुर, किशनपुर रैक्वाल, चोरगलिया आमखेड़ा, जयराम परमा, हल्दूचौड़ जग्गी, भवानीपुर कृष्णा, पाडलीपुर, भगवानपुर दुर्गापुर, बकुटिया पेयजल योजना के साथ-साथ पशु चिकित्सालय रामगढ़ में भवन निर्माण सहित 23 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया।

मुख्यमंत्री ने जिन 16 योजनाओं का शिलान्यास किया, उनमें कसियालेख से धारी मोटर मार्ग, रानीबाग-खुटानी, चाफी-पदमपुरी-धानाचुली, मोतियापाथर-शहरफाटक मार्ग सुधारीकरण, नैनीताल के अनावासीय भवन निर्माण, भेंटी-दियारी-खोली मोटर मार्ग, नशा मुक्ति केंद्र पाण्डे नवाड़ मरम्मत एवं कार्य, नवाबी रोड सीवरेज कार्य, सीवरेज 28 एमएलडी एसटीपी निर्माण, नारीमन तिराहे से गौलापुर तक सड़क मरम्मत, देवरामपुर-गौलागेट सड़क सुधारीकरण, हल्दूचौड़-गौलारोड डीबीएमसी कार्य, एवं पनचक्की-चौफुला-कठघरिया नहर कवरिंग कार्य शामिल हैं।

न्यूज डायरी

सख्ती: बिजली के 105 बकायेदारों के कनेक्शन काटे

संवाददाता हरिद्वार। ऊर्जा निगम ने शनिवार को बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ज्वालापुर क्षेत्र में 105 कनेक्शन काट दिए। इस दौरान मौके पर 14 लाख रुपये का राजस्व भी वसूला गया। ऊर्जा निगम के अनुसार, बार-बार आग्रह के बावजूद कई उपभोक्ता बकाया बिल जमा नहीं कर रहे थे। इसके मद्देनजर अवर अभियंता अक्षय चौहान और मुकेश रवि के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया गया। प्रथम-सब डिवीजन में 70 और द्वितीय-सब डिवीजन में 35 बकायेदारों के कनेक्शन काटे गए। प्रथम सब डिवीजन से 11 लाख और द्वितीय सब डिवीजन से तीन लाख रुपये नगद जमा कराए गए। कई बकायेदारों के बिजली मीटर भी जब्त किए गए। स्पष्ट किया गया कि बकाया राशि जमा होने के बाद ही आपूर्ति बहाल की जाएगी। ईई रवि कुमार ने बताया कि मार्च तक वसूली अभियान जारी रहेगा। इस अभियान में इमरान मलिक, धर्म सिंह, श्रवण कुमार गिरि, सुशील कुमार, फरमान राव, संजय चौहान, अतुल कुमार और अजमल अंसारी शामिल रहे।

सत्रह वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म में इनामी आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता हरिद्वार। सत्रह वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले गए पांच हजार के इनामी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही, किशोरी को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने इस मुकदमे में दुष्कर्म और पॉक्सो ऐक्ट की धाराएं भी बढ़ाईं। ज्वालापुर कोतवाली पुलिस के अनुसार, 23 फरवरी को ज्वालापुर की एक महिला ने आरोप लगाया था कि उनकी 17 वर्षीय पुत्री को आलम उर्फ जावेद निवासी इक्कड़ खुर्द पथरी बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इस पर पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। इस बीच, मामले ने तूल पकड़ लिया था। कुछ संगठनों ने शीघ्र बरामदगी न होने पर आंदोलन को चेताया। लिहाजा, एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने नाबालिग की शीघ्र बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

नाबालिग का अपहरण करने वाले को दो वर्ष की कैद

संवाददाता हरिद्वार। नाबालिग लड़की के अपहरण के आरोपी को कोर्ट ने दोषी ठहराकर दो साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। अपर जिला जजध्एफटीएससी न्यायाधीश चंद्रमणि राय की कोर्ट ने 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में दोषी को एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। शासकीय अधिवक्ता भूपेंद्र चौहान के अनुसार, 29 जुलाई 2021 को ज्वालापुर क्षेत्र से 17 वर्षीय किशोरी अपने चाचा के घर से लापता हो गई थी।

सच्ची जनसेवा और मानवीय संवेदनाओं की जीवंत मिसाल

संवाददाता देहरादून। हल्द्वानी में आयोजित थाल सेवा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहभागिता करते हुए स्वयं थाल सेवक के रूप में जरूरतमंदों को भोजन परोसा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि थाल सेवा केवल भोजन वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सच्ची जनसेवा और मानवीय संवेदनाओं की जीवंत मिसाल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल में उपचार हेतु प्रदेश के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को इस सेवा से बड़ी राहत मिलती है। आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों के लिए यह पहल संबल का कार्य कर रही है तथा समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत कर रही है। उन्होंने थाल सेवा से जुड़े सभी स्वयंसेवकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सामाजिक पहलें समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं और 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को साकार करती हैं।

टीम थाल सेवा के अध्यक्ष उमंग वासुदेवा ने बताया कि यह सेवा कई वर्षों से निरंतर संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। उन्होंने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री श्री धामी द्वारा प्रत्येक माह एक दिन थाल सेवा के लिए सहयोग प्रदान किया जाता रहा है, जिससे इस अभियान को निरंतरता और मजबूती मिली है।

कार्यक्रम में टीम थाल सेवा के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में हुआ शुभारंभ

संवाददाता रुद्रप्रयाग। सर्विकल कैंसर के खिलाफ राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत जनपद रुद्रप्रयाग जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ हो गया। अभियान के तहत जनपद में 14 वर्ष की 2282 लड़कियों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। जिला चिकित्सालय में मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक श्री भरत सिंह चौधरी की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा अजमेर राजस्थान से शुभारंभ किए गए उक्त अभियान के उद्घाटन कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि सरकार जनस्वास्थ्य को लेकर लगातार संवेदनशील है, इसी का नतीजा है कि गर्भाशय कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से निपटने के लिए एचपीवी राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने लक्षित आयु वर्ग की लड़कियों का टीकाकरण करवाने की अपील की है।

योजना का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा

संवाददाता

■ निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण हेतु परीक्षण शिविरों का होगा आयोजन

रुद्रप्रयाग। जनपद के वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के लिए राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत आगामी 09 मार्च से 12 मार्च तक दैनिक जीवन में उपयोगी सहायक उपकरणों के निःशुल्क वितरण हेतु परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का आयोजन समाज कल्याण विभाग, रुद्रप्रयाग द्वारा संबंधित विकास खंड कार्यालयों के सहयोग से किया जाएगा।

जिला समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठा ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 09 मार्च को जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, कमला भवन के निकट, रुद्रप्रयाग में शिविर आयोजित होगा। इसी तरह 10 मार्च को कार्यालय खंड विकास अधिकारी, मुख्यालय ऊखीमठ में, 11 मार्च को कार्यालय खंड विकास अधिकारी, मुख्यालय जखोली में तथा 12 मार्च को कार्यालय खंड विकास अधिकारी, मुख्यालय अगस्त्यमुनि में परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने जनपद के समस्त वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों से अपील करते हुए कहा है कि वे अधिक से अधिक संख्या में संबंधित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर योजना का लाभ प्राप्त करें। योजना का लाभ लेने हेतु आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय वृद्धावस्था योजना के अंतर्गत आधार कार्ड तथा बीपीएल अंत्योदय राशन कार्ड अथवा मासिक आय 15 हजार से कम होने का राजस्व विभाग, माननीय विधायक या ग्राम प्रधान द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

दिव्यांग योजना के अंतर्गत दिव्यांग प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड अनिवार्य है। साथ ही आधार कार्ड तथा मासिक आय 22,500 से कम होने का सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

धर्मनगरी में अधिकतम पारा रिकॉर्ड 30 डिग्री के ऊपर पहुंचा

संवाददाता हरिद्वार। धर्मनगरी में बढ़ती तपिश के बीच शनिवार को इस सीजन में पहली बार अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा। आईआईटी रुड़की की कृषि मौसम वेधशाला के अनुसार, शनिवार को अधिकतम तापमान 30.5 और न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 28.5 और न्यूनतम 13 डिग्री सेल्सियस था। यानी एक ही दिन में अधिकतम तापमान में दो डिग्री और न्यूनतम में एक डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, चार मार्च तक मौसम शुष्क रहेगा। दिन के समय लगभग सात किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने किसानों को गेहूं, जौ, गन्ना, चना, सरसों और टमाटर जैसी फसलों की सिंचाई और आवश्यकतानुसार कीटनाशकों के प्रयोग की सलाह दी है।

ख़ुशी तब होती है जब आपके विचार, आपके शब्द और आपके कर्म आपस में सामंजस्य में हों। -अज्ञात।

विचार-प्रवाह देहरादून, रविवार, 1 मार्च 2026

पेज थ्री
www.page3news.in

भारतीय राजनीति की महिला गजनी

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक्स पर एक तस्वीर शेयर कर लिखा है, भारतीय राजनीति की महिला गजनी वापस आ गई है! संसद में फिलिस्तीन का झोला टांगना आसान है, लेकिन 7 अक्टूबर को 1,200 बेकसूरों का नरसंहार की निंदा करने का नैतिक साहस दिखाना साफ तौर से प्रियंका गांधी के लिए बहुत मुश्किल है।

नवीन जोशी।।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के बीच देश की राजनीति में गाजा को लेकर गदर मचा हुआ है। पहले कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने गाजा का मुद्दा उठाया, फिर बीजेपी ने उनपर जोरदार पलटवार करके उन्हें आतंकवादी संगठन हमास की करतूत याद दिला दी। बार–बार गाजा और फिलिस्तीन का मुद्दा उठाने के लिए बीजेपी की ओर से कांग्रेस सांसद को भारतीय राजनीति की गजनी तक बता दिया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजरायल दौरे पर कांग्रेस पार्टी शुरू से आपत्ति जता रही है। दो दिन पहले ही कांग्रेस ने आधिकारिक रूप से इसकी आलोचना की है और कहा है कि ऐसा करके मोदी सरकार फिलिस्तीन को पूरी तरह छोड़ रही है, जिसे सबसे पहले मान्यता देने वालों में भारत है। अब प्रियंका गांधी ने गाजा को लेकर पीएम मोदी से ऐसी मांग कर दी है, जिससे बीजेपी भड़क गई।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक्स पर प्रियंका गांधी की संसद की फिलिस्तीन का झोला टांगे एक तस्वीर शेयर कर लिखा है, भारतीय राजनीति की महिला गजनी वापस आ गई है! संसद में फिलिस्तीन का झोला टांगना आसान है, लेकिन 7 अक्टूबर (2023) को 1,200 बेकसूरों का नरसंहार, महिलाओं का अपहरण और रेप की निंदा करने का नैतिक साहस दिखाना साफ तौर से प्रियंका गांधी के लिए बहुत मुश्किल है। उन्होंने आगे लिखा है, निंदा करने के लिए बहुत ज्यादा नैतिक साहस चाहिए और इसके लिए वोट बैंक पॉलिटिक्स से ऊपर उठना पड़ता है। आप फर्जी गांधी सरनेम ढो सकती हैं, लेकिन आप में दृढ़ विश्वास और साहस की साफ कमी है।

इससे पहले प्रियंका गांधी ने भी एक्स पर पीएम मोदी की इजारयल यात्रा पर टिप्पणी करते हुए लिखा, मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी अपनी होने वाली इजरायल यात्रा के दौरान नेसेट(इजरायली संसद) को संबोधित करते समय गाजा में हजारों बेकसूर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के नरसंहार का जिक्र करेंगे और उनके लिए न्याय की मांग करेंगे।

प्रियंका ने आगे लिखा, भारत एक स्वतंत्र देश के रूप में हमेशा अपने पूरे इतिहास में सही के लिए खड़ा रहा है,हमें दुनिया को सच्चाई, शांति और न्याय की रोशनी दिखाते रहना चाहिए।

दरअसल, बीजेपी नेता ने जिस गजनी की ओर इशारा किया है, वह 2008 की बॉलीवुड की एक फिल्म के कैरेक्टर का नाम है और उसी टाइटल से वह फिल्म भी बनी है। इसमें आमिर खान ने वह भूमिका निभाई है, जिसमें गजनी शॉर्ट–टर्म मेमोरी लॉस की समस्या से पीड़ित है।

बीजेपी नेता ने यह नाम लेकर प्रियंका पर इसी वजह से हमला किया है कि वह गाजा संकट पर तो बोलती हैं, लेकिन हमास ने इजरायल पर जिस तरह का हमला किया, उसे नजरअंदाज कर देती हैं।

मन को बचाना

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। जब आप यह मान लेते हैं कि हर स्थिति आपको कुछ सिखाने आई है, तो शिकायत की जगह समझ आ जाती है।

एक दूसरा सच यह है कि हमारा दुख घटनाओं से नहीं, हमारी कहानियों से पैदा होता है। घटना कहती है "यह हुआ।" मन कहता है "यह क्यों हुआ? मेरे साथ ही क्यों हुआ?" और इसी प्रश्न में पीड़ा छिपी रहती है। यदि हम केवल घटना को देखें, तो मन शांत रहता है। पर यदि मन कहानी बनाना शुरू करे, तो जीवन बोझ जैसा लगता है। मार्कस का एक और बड़ा वाक्य है "जिसे तुम बदल नहीं सकते, उसे स्वीकार कर लो।" कितना ताकतवर वाक्य है यह। अकेले अगर इसी वाक्य को जीवन पर लागू किया, तो दुख से मुक्त हो जाओगे। याद रखिए कि स्वीकार करना हारना नहीं है बल्कि यह अपने मन को बचाना है।

...शेष कल

संपादकीय

स्वतंत्रता और अनुशासन

शोध और अनुभव दोनों ही सिद्ध करते हैं कि शिक्षा और पोषण का गहरा संबंध है। भूखा या कुपोषित बच्चा न तो ध्यान केंद्रित कर सकता है और न ही सीखने में रुचि ले सकता है। यदि मध्याह्न भोजन योजना कमजोर होगी, तो उसका सीधा असर सीखने के स्तर, उपस्थिति और ड्रॉपआउट दर पर पड़ेगा। यह केवल एक कल्याणकारी योजना का प्रश्न नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय विकास और सामाजिक न्याय का मुद्दा है। एक और गंभीर समस्या यह है कि कुकिंग कॉस्ट का निर्धारण अक्सर एकरूपता के आधार पर किया जाता है, जबकि देश के अलग–अलग हिस्सों में महंगाई और बाजार दरें अलग–अलग हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लागत का अंतर स्पष्ट है, फिर भी तय राशि लगभग समान रहती है। इससे कई क्षेत्रों में विद्यालयों के लिए इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू करना और भी कठिन हो जाता है। समय की मांग है कि सरकारें इस विषय को केवल प्रशासनिक औपचारिकता के रूप में न देखें, बल्कि इसे नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करें। कुकिंग कॉस्ट का नियमित और स्वचालित पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिसे महंगाई दर और स्थानीय बाजार मूल्यों से जोड़ा जाए। साथ ही निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि बढ़ी हुई राशि वास्तव में बच्चों के भोजन पर ही खर्च हो।

स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है क्या वाकई इतने पैसों में बच्चों को पौष्टिक, पर्याप्त और सम्मानजनक भोजन उपलब्ध कराया जा सकता है, या फिर हम अनजाने में बच्चों के भविष्य के साथ एक सामूहिक मजाक कर रहे हैं?

स्वास्थ्य और देश का भविष्य

डॉ. सत्यवान सौरभ।।

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करोड़ों बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन योजना के तहत प्रति विद्यार्थी प्रतिदिन मात्र 6.78 (प्राइमरी) और 10.17 (अपर प्राइमरी) की कुकिंग कॉस्ट क्या इससे पोषण और सम्मान दोनों संभव हैं? भारत में शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव माना जाता है। बार–बार यह कहा जाता है कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं और उनके विकास में किया गया निवेश ही सच्चा विकास है। लेकिन जब हम सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करोड़ों बच्चों के लिए प्रति विद्यार्थी प्रतिदिन मात्र 6.78 और 10.17 की कुकिंग कॉस्ट पर नजर डालते हैं, तो यह आदर्शवाद कठोर यथार्थ से टकराता हुआ दिखाई देता है।

स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है क्या वाकई इतने पैसों में बच्चों को पौष्टिक, पर्याप्त और सम्मानजनक भोजन उपलब्ध कराया जा सकता है, या फिर हम अनजाने में बच्चों के भविष्य के साथ एक सामूहिक मजाक कर रहे हैं? मध्याह्न भोजन योजना भारत की सबसे महत्वाकांक्षी और प्रभावशाली सामाजिक योजनाओं में से एक रही है। इसका उद्देश्य केवल बच्चों की भूख मिटाना नहीं था, बल्कि कुपोषण से लड़ना, विद्यालयों में उपस्थिति बढ़ाना और सामाजिक समानता को बढ़ावा देना भी था। विशेष रूप से गरीब, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए यह योजना कई बार दिन का एकमात्र सुनिश्चित भोजन बन जाती है। ऐसे में इस योजना के लिए तय की गई लागत का यथार्थवादी, संवेदनशील और मानवीय होना अत्यंत आवश्यक है।

आज का आर्थिक परिदृश्य किसी से छिपा नहीं है। महंगाई लगातार बढ़ रही है। सब्जियों के दाम रोज बदलते हैं, दालें और तेल आम आदमी की थाली से दूर होते जा रहे हैं, गैस सिलेंडर की कीमत हर घर को परेशान कर रही है और दूध जैसी बुनियादी पोषण सामग्री भी लगातार महंगी हो रही है। ऐसे में यह मान लेना कि कुछ ही रुपयों में एक बच्चे के लिए संतुलित और गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार किया जा सकता है, जमीनी सच्चाई से कोसों दूर प्रतीत होता है। सरकारी आदेशों और दिशा–निर्देशों में कुकिंग कॉस्ट का जो विभाजन दिखाया जाता है, वह कागज पर भले ही संतुलित लगे, लेकिन व्यवहार में यह लगभग असंभव चुनौती बन जाता है। सब्जी, दाल, दूध, मसाले, तेल, गैस और अन्य आवश्यक खर्चों को जोड़ दिया जाए, तो तय राशि कई बार पहले ही दिन समाप्त हो जाती है। परिणामस्वरूप विद्यालयों को या तो भोजन की गुणवत्ता से समझौता करना पड़ता है, या मात्रा सेकृऔर कई बार दोनों से। इसका सबसे बड़ा नुकसान बच्चों को उठाना पड़ता है। भोजन में विविधता की कमी, पोषक तत्वों का अभाव और स्वादहीनता बच्चों की रुचि को भी प्रभावित करती है। कई बच्चे भोजन पूरा नहीं करते, कुछ की स्कूल में उपस्थिति कम होने लगती है और कुछ धीरे–धीरे पढ़ाई से भी कटने लगते हैं। यह प्रभाव तुरंत आँकड़ों में नहीं दिखता, लेकिन लंबे समय में यह बच्चों की सीखने की क्षमता, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को गहराई से प्रभावित करता है।

इस पूरी व्यवस्था का एक और अक्सर अनदेखा किया जाने वाला पहलू है रसोइये और विद्यालय स्टाफ। बेहद कम मानदेय में काम करने वाले रसोइयों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे हर दिन सैकड़ों बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार करें। कई बार अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है या फिर शिकायतों और आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि योजना की मूल भावना के भी विरुद्ध है। अब भी समय है कि नीति–निर्माता इस सच्चाई को स्वीकार करें और साहसिक निर्णय लें। क्योंकि यह बहस केवल भोजन की नहीं है यह बच्चों के सम्मान, स्वास्थ्य और देश के भविष्य की है।

सूडोकु बवताल-5267

मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु बवताल -5266 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

अपना ब्लॉग

सुपोषित भारत

मोहन। विडंबना यह है कि एक ओर हम "सुपोषित भारत", "नई शिक्षा नीति" और "मानव संसाधन विकास" जैसे बड़े–बड़े शब्दों का प्रयोग करते हैं, वहीं दूसरी ओर बच्चों के भोजन के लिए बजट तय करते समय अत्यधिक कंजूसी दिखाई देती है। क्या यह स्पष्ट विरोधाभास नहीं है? क्या हम सचमुच मानते हैं कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण पोषण के बिना संभव है? यह भी आवश्यक है कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों और रसोइयों की आवाज को नीति–निर्धारण की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। वे रोज इस व्यवस्था की वास्तविक चुनौतियों का सामना करते हैं और उनके अनुभव किसी भी फाइल नोटिंग से कहीं अधिक मूल्यवान हैं। सरकारों को यह समझना होगा कि मध्याह्न भोजन योजना कोई बोझ नहीं, बल्कि भविष्य में किया गया निवेश है। आज अगर बच्चों की थाली मजबूत होगी, तो कल देश की अर्थव्यवस्था, समाज और लोकतंत्र भी मजबूत होंगे। लेकिन यदि हम आज भी बच्चों के भोजन को खर्च समझकर न्यूनतम बजट में चलाने की सोच रखते हैं, तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे।

सलीम खान अभी भी आईसीयू में, अस्पताल पहुंचे अरहान, आयुष

सलमान खान के पिता और दिग्गज स्क्रीनराइटर सलीम खान को अस्पताल में भर्ती हुए अब 11 दिन हो गए हैं। वह अभी भी मुंबई के लीलावती अस्पताल के आईसीयू में हैं। डॉ. जलिल पारकार की निगरानी में एक्सपर्ट डॉक्टर्स की एक पूरी टीम उनका इलाज कर रही है। 90 साल के सलीम साहब को पिछले हफ्ते मंगलवार सुबह माइनर ब्रेन हेमरेज के बाद भर्ती किया गया था। उनकी तबीयत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जबकि अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं आई है कि उन्हें अस्पताल से कब डिस्चार्ज किया जाएगा। इस बीच बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह लीलावती पहुंचे हैं। उनके पीछे–पीछे अलवीरा अग्निहोत्री को भी स्पॉट किया गया है। लीलावती अस्पताल की ओर से सलीम खान का हेल्थ बुलेटिन पहली और आखिरी बार पिछले हफ्ते बुधवार को ही रिलीज किया गया था। तब डॉ. पारकर ने बताया था कि उम्र को ध्यान में रखते हुए एहतियात सलीम साहब को वेंटिलेटर पर रखा गया है। उसी दिन सुबह, उनकी वै। सर्जरी हुई थी। हालांकि, अब 11वें दिन तक उन्हें वेंटिलेटर से हटाया गया है या नहीं, इसको लेकर भी कोई जानकारी नहीं है। बताया जाता है कि सलमान खान और परिवार नहीं चाहता कि उनके पिता की सेहत से जुड़ी बेहद निजी जानकारी पब्लिक या मीडिया के सामने आए। सलीम खान का हाल जानने के लिए जीशान सिद्दीकी और नदीम खान भी पहुंचे। उनसे पहले पोता अरहान खान और दामाद आयुष शर्मा को भी अस्पताल के बाहर स्पॉट किया गया।

तेरे नाम री–रिलीजः वो फिल्म जो खतरे से कम नहीं!

सलमान खान आज बॉलीवुड में वो दबदबा कायम कर चुके हैं, जो इंडस्ट्री गिने–चुने सितारों को मिलता है। बॉलीवुड में इन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में जिन शानदार फिल्मों का हाथ रहा है उनमें से एक फिल्म साल 2003 में आई श्तेरे नामश भी रही। आज 27 फरवरी को सलमान खान की ये फिल्म एक बार फिर से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है, जिसे लेकर 90 के दशक के फैन्स काफी उत्साहित हैं। ये एक ऐसी फिल्म थी जो रिलीज होने के बाद पहले तो सेमी हिट रही लेकिन वक्त के साथ ये बॉलीवुड की कल्ट फिल्मों में शामिल हो गई है। हालांकि, इस फिल्म को लेकर सलमान ने कभी खुद ही कहा था कि अपने इस किरदार से उन्हें डर लगने लगा था और अपने फैन्स को उन्हें फॉलो न करने तक की सलाह दे डाली थी। आइए, जानते हैं कि आखिर इस फिल्म में ऐसा क्या था जो सलमान की नजरों में ही नहीं बल्कि प्यार करने वालों के हिसाब से भी अच्छा नहीं था।

धुरंधर ने नेटफ्लिक्स पर 4 हफ्तों में बनाया नया रिकॉर्ड

रणवीर सिंह स्टारर स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाकर सबको हैरान कर दिया है। ये फिल्म ब्लॉकबस्टर नहीं, बल्कि एक ग्लोबल सेंसेशन बन गई है। इसने 4 हफ्तों में ही नेटफ्लिक्स पर 2024 से अब तक रिलीज हुई बड़ी से बड़ी फिल्मों को पटखनी दे दी है। ये फिल्म न सिर्फ भारत में, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, ओमान और मालदीव में टॉप–10 नॉन–इंग्लिश मूवी की लिस्ट में नंबर–1 पर ट्रेंड कर रही है। आदित्य धर की डायरेक्टेड फिल्म धुरंधर ने बहरीन, कुवैत, श्रीलंका, मलेशिया, कतर, यूएई, मॉरीशस और नाइजीरिया जैसे 8 देशों में भी टॉप–10 में अपनी जगह बनाई है। बॉक्स ऑफिस पर इसने 1300 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया ही है। अब ये ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी गर्दा उड़ा रही है। फिल्म ने चौथे हफ्ते में 2 मिलियन व्यूअरशिप हासिलकी है और प्लेटफॉर्म पर टॉप–10 नॉन–इंग्लिश फिल्मों की ग्लोबल ट्रेंडिंग लिस्ट में 8वीं रैंक हासिल की है। फिल्म ने एक महीने में ही करीब 66.3 मिलियन घंटे देखे जाने का आंकड़ा पार किया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 30 जनवरी से स्ट्रीम हो रही ये मूवी, नेटफ्लिक्स पर 2024 के बाद से सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इसने विजय सेतुपति की फिल्म महाराजा को पछाड़ दिया है और पहला स्थान हासिल कर लिया है।

शादी के बाद पहली बार दिखे रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रश्मिका और विजय की शादी हो गई। दोनों की शादी तेलुगू हिंदू और कोडवा रीति–रिवाजों से हुई और शादी के बाद इन्होंने कुछ खूबसूरत तस्वीरें भी शेयर कीं। अब उदरयपुर एयरपोर्ट से ये एक्टर्स और उनका परिवार रवाना हो चुका है। नई–नवेली जोड़ी विजय और रश्मिका की पहली झलक उदपुर के एयरपोर्ट पर दिखी। यहां रश्मिका और विजय के चेहरे पर ढेर सारी खुशियां नजर आई और दोनों हाथ जोड़े सबका धन्यवाद करते दिखे।

इंस्टाग्राम पर अपना पहला पोस्ट शेयर किया

शादी के बाद रश्मिका और विजय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपना पहला पोस्ट शेयर किया, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। कपल ने फैंस के इंतजार पर विराम लगाते हुए अपनी शादी की खबर दी और खूबसूरत तस्वीरें शेयर की, जो कि मिनटों में ही वायरल हो गया।

एक दिन मुझे उसकी याद आने लगी

विजय ने तस्वीरें शेयर करते हुए पोस्ट कैप्शन में लिखा, एक दिन मुझे उसकी याद आने लगी। मुझे उसकी इतनी याद आ रही थी कि ऐसा लग रहा था जैसे वो मेरे साथ होती तो मेरा दिन और भी अच्छा बीतता। जैसे वो मेरे सामने बैठी होती तो मेरा खाना और भी स्वादिष्ट लगता।

मैंने 26 मार्च को अच्छी दोस्त को अपनी पत्नी बना लिया

उन्होंने आगे लिखा, जैसे ही वह मेरे साथ वर्कआउट करती, तो वर्कआउट और भी मजेदार और कम बोझिल लगता। जैसे मुझे उसकी जरूरत थी बस घर जैसा सुकून और शांति महसूस करने के

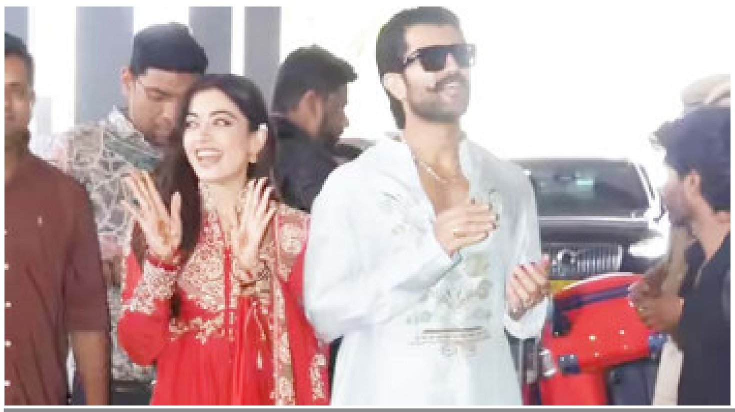

लिए चाहे मैं कहीं भी रहूं। तो मैंने 26 मार्च को अपनी सबसे अच्छी दोस्त को अपनी पत्नी बना लिया।

रश्मिका ने की विजय की तारीफ

वहीं, रश्मिका ने भी इंस्टाग्राम पर शादी संपन्न होने की खबर शेयर करने के साथ अपने खास दिन की यादगार तस्वीरों को शेयर किया और पोस्ट कैप्शन में लिखती है, श्हाय मेरे प्यारे दोस्तों, मिलिए आप सभी मेरे पति विजय देवरकोंडा से। वो इंसान जिन्होंने मुझे सच्चे प्यार का एहसास कराया, वो इंसान जिन्होंने मुझे शांति का अनुभव कराया, वो इंसान जिन्होंने मुझे हर दिन कहा कि बड़े सपने देखना बिल्कुल ठीक है और हमेशा मुझे भरोसा दिलाया कि मैं अपनी कल्पना से भी कहीं ज्यादा हासिल कर सकती हूं। वो इंसान जिसने मुझे कभी भी बेफिक्र होकर नाचने से नहीं रोका, वो इंसान जिसने मुझे दोस्तों के साथ घूमना–फिरना सिखाया, और यकीन मानिए, मैं इस इंसान पर एक किताब लिख सकती हूं।

मैंने हमेशा सपना देखा था

एक्ट्रेस आगे लिखती हैं, मैं आज वो औरत बन गई हूं, जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था, क्योंकि आपने ही मुझे वो बनाया है जो मैं आज हूं। मैं सचमुच बहुत भाग्यशाली हूं। विज्जू, तुम्हारे लिए मेरे दिल में जो प्यार है उसे बयां करने के लिए मेरे पास शब्द कम पड़ जाते हैं। मैंने हमेशा तुमसे ये कहा है कि तुम्हें पता है, अचानक मेरी सारी उपलब्धियां, संघर्ष, खुशियां, दुख, आनंद, जिंदगी– सब कुछ अब ज्यादा मायने रखता है, क्योंकि तुम मेरे साथ हो, इन सब के साक्षी। इन सबका सबसे बड़ा हिस्सा।श

तुम्हारी पत्नी बनने के लिए, तुम्हारी पत्नी कहलाने के लिए

वह आगे लिखती हैं, मैं तुम्हारी पत्नी बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं तुम्हारी पत्नी बनने के लिए, तुम्हारी पत्नी कहलाने के लिए! अब तो पार्टी का पूरा माहौल है। चलो साथ मिलकर सबसे बेहतरीन जिंदगी जिएं। मैं तुमसे प्यार करती हूं।

करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से जान्हवी कपूर ने ली एग्जिट

करण जौहर ने कहा कि एक्टर्स अब हर दो साल में एक एजेंसी से दूसरी एजेंसी में चले जाते हैं और ये किसी भी एजेंसी के प्रति वफादार नहीं होते हैं। बता दें कि हाल ही में जाह्नवी कपूर के करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से बाहर हुई हैं।

हाल ही में खबर आई थी कि जाह्नवी कपूर, जिनका करियर पहले करण जौहर की धर्मा कॉर्नरस्टोन आर्टिस्ट एजेंसी (डीसीएए) के जरिए मैनेज किया जा रहा था, उन्होंने अब अपनी एजेंसी बदल ली है। अब जान्हवी कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क में शामिल हो गई हैं। यूं तो एक्टर्स अपने लिए अच्छे अवसर पाने के लिए एजेंसियों पर डिपेंड रहते हैं लेकिन करण जौहर ने कहा है कि इस कॉम्पिटिटिव बिजनेस में एक्टर किसी के प्रति वफादार नहीं होते। हाल ही में करण ने सार्थक आहूजा के साथ बातचीत में इस मुद्दे पर बातें कीं। करण ने कहा कि टैलेंट मैनेजमेंट एक थैंकलेस जॉब है क्योंकि सच ये है कि कोई लॉयल नहीं होता।

एक एजेंसी से दूसरी एजेंसी में जाते रहते हैं

उन्होंने अपने मन में दबी बातों को खुलकर जाहिर करते हुए कहा, श्हर दो साल में लोग एक एजेंसी से दूसरी एजेंसी में जाते रहते हैं क्योंकि वे इनसिक्योर महसूस करते हैं। इस बिजनेस में कोई वफादार नहीं है, एक्टर बस इधर–उधर भटकते रहते हैं। तो आप अपने जीवन के दो साल किसी टैलेंट पर लगाते हैं और वे अचानक कहीं और चले जाते हैं, फिर उन्हें वहां अच्छा नहीं लगता और वे आपके पास वापस आना चाहते हैं। यह एक दुष्चक्र है।

कलाकारों के साथ जुड़कर पैसा कमाना बहुत मुश्किल

करण ने इसी बातचीत में आगे कहा कि इस बिजनेस में, केवल कलाकारों के साथ जुड़कर पैसा कमाना बहुत मुश्किल है, इसलिए लोग अब इक्विटी इन्वेस्टमेंट की ओर देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई टैलेंट एजेंसियां अपने कलाकारों के साथ इक्विटी पार्टनरशिप कर रही हैं और उन पार्टनरशिप से पैसा कमाने की कोशिश कर रही हैं। कलाकारों पर केवल कमीशन से आपको कुछ नहीं मिलेगा क्योंकि कलाकार कोई नहीं हैं। वे बिल्कुल कोई नहीं हैं, वो किसी के नहीं हैं।

टैलेंट मैनेजमेंट को लेकर बोले करण जौहर

करण ने कहा कि उन्होंने टैलेंट मैनेजमेंट में इसलिए कदम रखा क्योंकि यह उनके पास स्वाभाविक रूप से आया। उन्होंने कहा कि इस बिजनेस का 90 प्रतिशत हिस्सा लोगों के अहम और असुरक्षाओं को संभालने से जुड़ा है, जो आसान नहीं है। उन्होंने आगे कहा, श्अगर आप टैलेंट मैनेजमेंट को एक व्यावसायिक अवसर के रूप में देखेंगे, तो कुछ नहीं होगा।

विटामिन बी12 की कमी से सिर से पैर तक दिखता है असर

विटामिन बी12 कैसे बढ़ाएं?

कोबालामिन का निर्माण शरीर खुद नहीं कर पाता है, इसलिए इसे डाइट से रोज लेना जरूरी है। मछली, मीट, अंडे और डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे कुछ फूड्स के अंदर यह प्राकृतिक रूप से मौजूद होता है। मार्केट में कुछ फोर्टिफाइड ब्रेकफास्ट सीरीयल्स और फोर्टिफाइड न्यूट्रिशनल यीस्ट भी उपलब्ध हैं, जो बी12 का लेवल बढ़ाने में मदद करते हैं। अगर विटामिन बी12 की गंभीर कमी है तो डॉक्टर सप्लीमेंट या दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। कभी भी किसी सप्लीमेंट या दवा को डॉक्टर की सलाह के बिना लेने की गलती ना करें।

विटामिन बी12 की कमी से प्रमुख रूप से खून की कमी और सेंट्रल नर्वस सिस्टम से जुड़ी समस्याएं विकसित हो सकती हैं, जिसके कारण निम्नलिखित लक्षण दिखते हैं।

शरीर पीला पड़नाः विटामिन बी12 की कमी से शरीर की त्वचा, आंख आदि का रंग पीला पड़ सकता है। यह एनीमिया का संकेत है, जिसके पीछे विटामिन बी12 की कमी हो सकती है। श्रवीदे भ्वचापदे डमकप. बपदम बताता है कि रेड ब्लड सेल्स बनाने के लिए इस न्यूट्रिएंट की आवश्यकता होती है। रेड ब्लड सेल्स खून का जरूरी तत्व है, जो ऑक्सीजन को लेकर पूरे शरीर में पहुंचाती हैं।

थकान-कमजोरीः इस पोषक तत्व की कमी शरीर में थकान और कमजोरी बढ़ा सकती है। इसके साथ मसल्स क्रैम्प भी हो सकते हैं। श्रवीद भ्वचापदे डमकपबपदम के अनुसार ही, जब शरीर में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है तो मांसपेशियों और अंगों को कम ऑक्सीजन मिलने लगती है। इसकी वजह से एनर्जी–स्टेमिना में कमी आती है, जो इन सभी दिक्कतों को मूल कारण है।

याददाश्त-फोकस में कमीः विटामिन बी12 कम होने से ब्रेन फंक्शन में कमी आ सकती है, इसकी वजह से याददाश्त और फोकस में कमी देखने को मिलती है। कुछ लोगों को डिप्रेशन–एंग्जायटी से जुड़े संकेत भी देखने को मिल सकते हैं। जापान के कुछ शोधकर्ताओं ने मिलकर विटामिन बी12 के लेवल और कॉग्निटिव फंक्शन में संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों को जब बी12 सप्लीमेंट दिया गया तो ब्रेन फंक्शन टेस्ट में उनके रिजल्ट सप्लीमेंट लेने से पहले के मुकाबले बेहतर पाए गए। यह शोध एनसीबीआई पर प्रकाशित है।

पेट से जुड़ी समस्याएंः कोबोलामिन कम होने से मरीज के अंदर पेट से जुड़ी समस्याएं दिख सकती हैं। इनमें डायरिया, कब्ज आदि शामिल हैं, जो एनीमिया से जुड़ी हो सकती हैं। इसके साथ दूसरे पोषक तत्वों के अवशोषण में कमी आ सकती है, जो बेवजह वजन घटने का कारण बन सकता है।

जीभ में सूजनः बी12 की कमी से जीभ में सूजन आ सकती है, जिसे मेडिकल भाषा में ग्लोसाइटिस कहा जाता है। एनसीबीआई पर मौजूद शोध कहता है कि विटामिन बी12 से होने वाले एनीमिया के 25 प्रतिशत मामलों में ग्लोसाइटिस की समस्या मौजूद हो सकती है। इस स्थिति में जीभ के ऊपर लाल चमकदार प्लाक जमने लगता है।

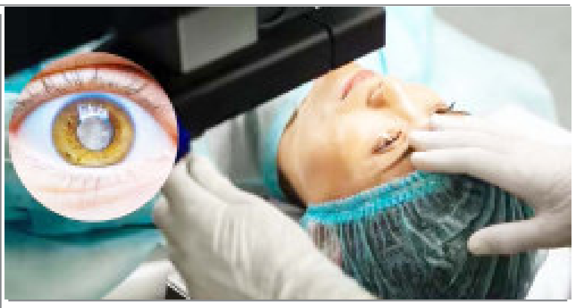

लेसर तकनीक से कैसे हटाया जाता है मोतियाबिंद, हटाना जरूरी

मोतियाबिंद हटाने की प्रक्रिया पहले बहुत जटिल हुआ करती थी। सर्जरी के दौरान डॉक्टर को बड़ा चीरा लगाकर लेंस के ऊपर से झिल्ली हटानी होती थी। इसके बाद मरीज को लंबे समय तक मोटा काला चश्मा लगाना पड़ता था और उसकी रिकवरी भी स्लो होती थी। हालांकि, आज के समय में ज्यादातर लोग लेजर सर्जरी के विकल्प को अपनाने लगे हैं। इस मॉर्डन तकनीक से कॉर्निया पर छोटा सा चीरा लगाकर कैसे मोतियाबिंद हटता है और सर्जरी के लिए आमतौर पर कितना खर्चा आ सकता है, आगे विस्तार से जानिए। मोतियाबिंद जिसे अंग्रेजी में ब्ंजंतंब भी कहा जाता है, उस स्थिति में होता है जब लेंस में मौजूद प्रोटीन और फाइबर्स टूटने लगते हैं और उनका एक जाल सा बन जाता है। ये झिल्ली के रूप में लेंस पर जमने लगता है। सामान्य स्थिति में लेंस पारदर्शी होता है, जिससे रेटिना तक रोशनी साफ तरीके से पहुंचती है और आपको सबकुछ क्लियर दिखता है। हालांकि, मोतियाबिंद की झिल्ली के बनने पर इस प्रक्रिया में बाधा आती है और व्यक्ति को धुंधला दिखने लगता है। मोतियाबिंद वो स्थिति है, जो सिर्फ चश्मा लगाने या फिर दवाएं खाने से ठीक नहीं हो सकती। समय के साथ लेंस पर मौजूद झिल्ली और कठोर होती जाती है, जो देखने की क्षमता कम करती जाती है। सही समय पर सर्जरी न करवाई जाए, तो रोजाना के कामकाज करने की क्षमता और जीवन की गुणवत्ता नकारात्मक रूप से प्रभावित होने लगती है। आमतौर पर 50 वर्ष के बाद मोतियाबिंद होने की आशंका बढ़ जाती है।

एक लौकी और पनीर से बन जाएगा स्वादिष्ट–कुरकुरा नाश्ता

क्या आप शाम की चाय के लिए कुछ ऐसा ढूंढ रहे हैं जो स्वाद में लाजवाब हो और सेहत के लिए भी भारी न पड़े। ऐसे में शेफ प्रतीक सिंह की लौकी और पनीर वाली रेसिपी आपके काम आ सकती हैं। उन्होंने स्वादिष्ट और कुरकुरा नाश्ता बनाना सिखाया है जो बच्चे से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगा। अक्सर लौकी का नाम सुनते ही बच्चे नाक–भौंह सिकोड़ने लगते हैं, लेकिन शेफ प्रतीक सिंह की यह खास रेसिपी साधारण सी लौकी को एक शाही और कुरकुरे नाश्ते में बदल देती है। इस डिश की खासियत है कि यह बाहर से क्रिस्पी और अंदर से बेहद नरम होता है। आप अपनी पसंद के अनुसार शैलो फ्राई या एयर फ्राई कर सकते हैं, जिससे तेल की फिक्र नहीं करनी पड़ेगी। इस रेसिपी की शुरुआत एक ताजी और कच्ची लौकी से होती है। सबसे पहले लौकी को अच्छी तरह धोकर छील लें और फिर उसे कद्दूकस कर लें। कद्दूकस करने के बाद लौकी काफी पानी छोड़ती है, जो बाइंडिंग को खराब कर सकता है। इसलिए, एक पतले सूती कपड़े की मदद से कद्दूकस की हुई लौकी को अच्छी तरह निचोड़कर उसका पूरा पानी निकाल दें।

फ्लॉसिंग के क्या नुकसान हैं, जानें इसका सही तरीका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

फ्लॉसिंग दांतों की सफाई का अहम हिस्सा है, लेकिन यदि इसे गलत तरीके से या अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जाए, तो यह फायदे की जगह नुकसान भी पहुंचा सकती है। ज्यादा या गलत तरीके से फ्लॉसिंग करने से दांतों और मसूड़ों को नुकसान हो सकता है। इससे मसूड़ों का पीछे हटना, मसूड़ों से खून आना, एनामेल को नुकसान और दांतों में सेंसिटिविटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जोर से फ्लॉस करने से मसूड़ों के टिशू को क्षति और दांतों के इनेमल के घिसने का खतरा रहता है। सही फ्लॉसिंग के लिए फ्लॉस को धीरे से दांतों के बीच डालें और मसूड़ों के पास सावधानी से साफ करें। आप चाहें तो वाटर फ्लॉसर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

फ्लॉसिंग क्या है ?

डेंटल हेल्थ में फ्लॉसिंग की प्रमुख भूमिका है। ब्रशिंग से साफ न होने वाली जगहों को फ्लॉसिंग से साफ किया जाता है, जिससे कैविटी और मसूड़ों की बीमारी जैसे जिंजिवाइटिस से बचाव होता है। इसमें पतले धागे यानी डेंटल फ्लॉस से दांतों के बीच फंसे भोजन के कणों, बैक्टीरिया और प्लाक को हटाया जाता है। रात में सोने से पहले फ्लॉसिंग करने से ओरल हेल्थ अच्छी रहती है।

फ्लहसिंग कितनी बार करें

रात में सोने से पहले सही तरीके फ्लॉसिंग की जाए तो तो ये ओरल हेल्थ के लिए फायदेमंद है, लेकिन जरूरत से ज्यादा या गलत तरीके से फ्लॉसिंग नुकसानदायक हो सकता है। हम यहां ज्यादा या गलत तरीके से फ्लॉसिंग के नुकसान और फ्लॉसिंग का सही तरीका बता रहे हैं:–

मसूड़ों में चोट और जलनः अगर फ्लॉस को बहुत जोर या तेजी से दांतों के बीच डाला जाए, तो इससे मसूड़ों में कट या सूजन हो सकती है। कई लोग फ्लॉस को आगे–पीछे रगड़ते हुए जोर लगाते हैं, जिससे नाजुक मसूड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। इसके कारण मसूड़ों से खून आना, दर्द या लालिमा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बार–बार ऐसी गलती करने से मसूड़े कमजोर हो सकते हैं।

दांतों में सेंसिटिविटी बढ़नाः ज्यादा फ्लॉसिंग से दांतों की जड़ों के पास की सतह प्रभावित हो सकती है। अगर मसूड़े हल्के–हल्के पीछे हटने लगें, तो दांतों की जड़ें एक्सपोज हो जाती हैं। इससे ठंडा–गरम खाने पर झनझनाहट या दर्द महसूस हो सकता है। जोर या तेजी से फ्लॉसिंग की आदत से यह सेंसिटिविटी लंबे समय तक बनी रह सकती है।

एनामेल को नुकसानः फ्लॉसिंग आमतौर पर दांतों के बीच फंसे प्लाक और भोजन के कणों को हटाने के लिए की जाती है और यह सीधे तौर पर एनामेल को नहीं घिसती। लेकिन यदि फ्लॉस को बहुत ज्यादा जोर से, तेज गति से या गलत एंगल पर बार–बार इस्तेमाल किया जाए, तो दांतों के किनारों पर घर्षण होने लगता है। ऐसा बार बार करने से एनामेल की बाहरी सतह को कमजोर हो सकती है।

संक्रमण और मसूड़ो का पीछे हटनाः फ्लॉसिंग के दौरान अगर मसूड़ों में हल्का सा भी कट लग जाए और मुंह की साफ–सफाई का सही ध्यान न रखा जाए, तो उस जगह से बैक्टीरिया शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। खासकर तब जोखिम बढ़ जाता है जब एक ही फ्लॉस के टुकड़े को बार–बार इस्तेमाल किया जाए या हाथ साफ किए बिना फ्लॉसिंग की जाए। इससे मसूड़ों में सूजन, दर्द, पस बनना या गंभीर संक्रमण जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है, जैसे डायबिटीज के मरीज या बुजुर्ग, उनमें यह संक्रमण तेजी से फैल सकता है। लगातार जोर से और गलत तरीके से फ्लॉसिंग करने पर मसूड़े धीरे–धीरे पीछे हटने लगते हैं, जिसे गम रीसशन कहा जाता है। जब मसूड़े अपनी प्राकृतिक स्थिति से नीचे खिसकते हैं, तो दांतों की जड़ें खुलने लगती हैं। इससे ठंडा–गरम लगना, दर्द और संवेदनशीलता की समस्या बढ़ जाती है। खुली जड़ों पर प्लाक और बैक्टीरिया जल्दी जमा हो सकते हैं, जिससे कैविटी और मसूड़ों की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। गंभीर मामलों में दांत कमजोर होकर हिलने भी लग सकते हैं।

गर्मी की शुरुआत में गुड़हल में कौन सी खाद डालनी चाहिए?

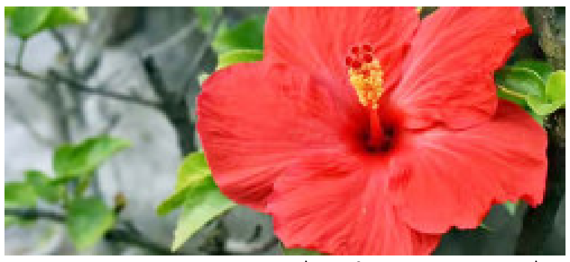

अब अगर आपका गुड़हल का पौधा भी सुस्त पड़ गया है या उसमें कलियां नहीं आ रही हैं, तो एक्सपर्ट की टिप्स को आजमाकर देख सकते हैं। ये तरीके आपके बगीचे को फूलों से भर सकते हैं। क्योंकि, सही जगह के चुनाव से लेकर कीड़ों से बचाव तक, गुड़हल की सेहत कई छोटी–बड़ी बातों पर निर्भर करती है। गुड़हल एक सन–लविंग प्लांट है, जिसका सीधा मतलब है कि इसे फलने–फूलने के लिए भरपूर धूप चाहिए। गर्मी के मौसम में इसे ऐसी जगह रखें जहां कम से कम 8 घंटे की सीधी ६ूप आती हो। पर्याप्त रोशनी मिलने पर ही पौधा अपनी ऊर्जा बना पाता है और कलियां खिलाने में सक्षम होता है। अगर आपने अभी तक अपने पौधे की कटाई–छटाई नहीं की है, तो यह सही समय है। पौधे की सूखी या बेजान टहनियों को काट दें ताकि नई शाखाएं निकल सकें। इसके साथ ही, गमले की मिट्टी की गुड़ाई करें और वहां उगे हुए खरपतवार को हटा दें। गुड़ाई करने से जड़ों तक ऑक्सीजन सही तरीके से पहुंचती है। पौधे में फूलों का ढेर लगाने के लिए माली ने एक बेहद शक्तिशाली खाद बताई है। इसे बनाने के लिए 1 लीटर पानी में 100 ग्राम सरसों की खली मिलाएं। इसे ढककर 5 दिनों के लिए छायादार जगह पर रख दें। 5 दिन बाद, इस तैयार गाढ़े घोल को 1 लीटर सामान्य पानी में मिलाकर पतला कर लें।

रवि शास्त्री का करियर

रवि शास्त्री के करियर पर नजर डालें, तो उन्होंने भारत के लिए 80 टेस्ट मैच और 150 वनडे मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 15 शतक जमाए और 6,938 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने 280 विकेट भी चटकाए। शास्त्री 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। उन्होंने भारत के हेड कोच के तौर पर अपनी सेवाएं दी, जहां टीम इंडिया ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया में जीत हासिल की और इतिहास रचा। शास्त्री कमेंट्री में भी खूब मशहूर है और कमेंट्री के दौरान उनकी एनर्जी देखने लायक होती है।

रवि शास्त्री को एमसीए ने दिया खास सम्मान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने एलान किया है कि वानखेड़े स्टेडियम में भारत के पूर्व कोच ऑलराउंड रवि शास्त्री के नाम का स्टैंड बनेगा। इसके अलावा तीन अन्य भारतीय क्रिकेटरों के नाम पर गेट का नाम रखने का फैसला किया गया है। शास्त्री ने भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में ओपनिंग की। उन्होंने गेंदबाज के तौर पर करियर की शुरूआत की लेकिन बाद में बल्लेबाजी में हिट हो गए। शास्त्री ने भारत के लिए 80 टेस्ट मैच खेले और टीम इंडिया के हेड कोच के तौर पर भी अपनी सेवाएं दी। अब एमसीए ने उनके नाम का स्टैंड बनाने का फैसला किया है। शास्त्री के अलावा भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान डायना एडुलजी के नाम पर गेट नंबर 5 का नाम रखा जाएगा। इसी तरह पूर्व दिवंगत क्रिकेटर दिलीप सरदेसाई के नाम पर गेट नंबर 3 और एकनाथ सोलकर के नाम पर गेट नंबर 6 का नाम रखने का फैसला किया है। रवि शास्त्री के नाम पर स्टैंड का नाम रखने के एलान के बाद एमसीए ने कहा, सर्वोच्च कमेटी ने मुंबई और भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ी और कोच के रूप में अहम योगदान देने वाले रवि शास्त्री के नाम पर स्टैंड का नाम रखने का फैसला किया है।

रणजी ट्रॉफी में जम्मू और कश्मीर ने रचा इतिहास

क्रिकेट

पहली बार जीता टूर्नामेंट का खिताब, आकिब नबी के आगे कर्नाटक ने टेके घुटने

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर की क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। टीम ने पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट के इतिहास में टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी। जम्मू कश्मीर के सामने सितारों से सजी कर्नाटक की टीम थी। फाइनल मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ लेकिन पहली पारी में बढ़त की वजह से जम्मू कश्मीर की टीम रणजी ट्रॉफी 2025–26 सीजन की चैंपियन बनी।

कर्नाटक की प्लेइंग इलेवन में भारत के लिए टेस्ट खेले चुके 5 खिलाड़ी–केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, करुण नायर, देवदत्त पडिक्कल और प्रसिद्ध कृष्णा शामिल थे। जम्मू कश्मीर की प्लेइंग इलेवन में शामिल किसी भी खिलाड़ी के पास इंटरनेशनल क्रिकेट का अनुभव नहीं था। इसके बाद भी कर्नाटक की टीम पारस डोगरा की टीम का मुकाबला नहीं कर पाई। जम्मू कश्मीर के कप्तान

पारस डोगरा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। ऐसे में जम्मू कश्मीर ने पहली पारी में 584 रन बोर्ड पर लगा दिए। शुभम पुंडीर ने शतक ठोका और 121 रन की पारी खेली। इसके अलावा यावर हसन (88), साहिल लोत्रा (72), कन्हैया वाधवन (70) पारस डोगरा (70) और अब्दुल समद ने भी फिफ्टी लगाई और कुछ अच्छी पारियां खेली। कर्नाटक के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने पंजा खोला।

जम्मू कश्मीर ने पहली पारी में 584 रन बनाने के बाद कर्नाटक को पहली पारी में 293 पर ऑल आउट कर दिया और 291 रन की बढ़त बना ली। कर्नाटक के लिए मयंक अग्रवाल ने सेंचुरी लगाई और 160 रन बनाए। इसके अलावा क्रुतिक शर्मा ने 36 रन बनाए। केएल राहुल फ्लॉप रहे। कर्नाटक को 293 रन पर रोकने में इस फॉर्म आकिब नबी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पंजा खोला। सुनील कुमार और युद्धवीर सिंह चरक ने 2–2 विकेट लिए। 1 विकेट साहिल लोत्रा को भी मिला।

दूसरी पारी में जम्मू कश्मीर के लिए कामरान इकबाल के साथ ही साहिल लोत्रा ने शतक बनाया। टीम को 11 रनों पर दो झटके लग गए थे। लेकिन सलामी बल्लेबाज कामरान ने पारी संभाल ली। वह मैच के दिन सुबह ही दुबली पहुंचे थे। साहिल को भी इंजरी की वजह से इस मैच में खेलने का मौका मिला। दूसरी पारी में जम्मू कश्मीर ने 4 विकेट पर 342 रन बनाए। कामरान ने नाबाद 160 और साहिल ने नाबाद 101 रनों की पारी खेली।

कोलकाता के मौसम ने बढ़ाई टेंशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता में होने वाला मुकाबला क्वार्टरफाइनल की तरह है। टीम इंडिया अगर इस मैच में जीत हासिल करती है, तो सेमीफाइनल के लिए अपनी जगह पक्की कर लेंगे। इसी तरह विंडीज को भी जीत मिलती है, तो वे टॉप–4 में अपनी जगह बना लेंगे। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या मुकाबले के दौरान बारिश विलेन बन सकती है? भारतीय टीम और फैंस के लिए यही सबसे बेहतर होगा कि बारिश खलल न डाले और मुकाबला पूरा हो सका। टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों से जीत हासिल कर सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदों को फिर से जिंदा किया है। अब भारत को बस शाई होप की अगुवाई वाली टीम को शिकस्त देनी है और सेमीफाइनल का टिकट मिल जाएगा।

पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने के बाद मैदान पर बजा ढोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हुबली। जम्मू कश्मीर ने अपने जोश और जज्बे का शानदार नमूना पेश करते हुए रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया। कर्नाटक के खिलाफ ड्रॉ रहे फाइनल में पहली पारी की बढ़त के आधार पर खिताब जीतकर 67 साल का इंतजार खत्म किया और अपना नाम इतिहास में दर्ज कर दिया। इस जीत के बाद जम्मू कश्मीर की ने जोरदार जश्न मनाया।

जैसे ही जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने पारी घोषित करने का इशारा किया, उनकी टीम मैदान की तरफ जश्न मनाने के लिए भागने लगी। पहले से ही खिलाड़ी बाउंड्री लाइन के पास जमा हो गए थे।

जम्मू और कश्मीर के खिलाड़ियों ने चैंपियन बनने के बाद जमकर भांगड़ा किया। पहली पारी में 291 रनों की बढ़त मिलने की वजह से मैच ड्रॉ होने के बाद भी जम्मू कश्मीर को विजेता

घोषित किया गया।

क्रिकेट में ऐसा काफी कम देखने को मिलता है लेकिन रणजी ट्रॉफी के अंतिम दिन स्टेडियम पर ढोल की व्यवस्था था। मैच खत्म होते ही ढोल बजाने वाले खिलाड़ियों के बीच में आ गए और जश्न में चार चांद लग गया। बीसीसीआई के अध्यक्ष मिथुन मन्हास जम्मू कश्मीर के ही है। उन्होंने वहां की क्रिकेट के लिए काफी काम किया है। टीम के चैंपियन बनने के बाद खिलाड़ियों ने मिथुन मन्हास को कंधे पर उठा लिया।

जम्मू कश्मीर के खिलाड़ियों के साथ ही जेकेसीए के अधिकारी भी जश्न में डूब गए। स्टैंड्स में उन्होंने भी डांस करके टीम के चैंपियन बनने का जश्न मनाया।

न्यूज डायरी

केएल राहुल को पहला विकेट मिल जाता, जिगरी दोस्त ने छोड़ दिया कैच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हुबली। केएल राहुल के नाम लिस्ट ए क्रिकेट में एक विकेट हैं। अपने 120 मैचों के फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उन्हें एक भी सफलता नहीं मिली है। रणजी ट्रॉफी के फाइनल में केएल राहुल के पास विकेट लेने का मौका था लेकिन वह चूक गए। कर्नाटक की टीम का खिताबी मुकाबला जम्मू कश्मीर से था। जम्मू कश्मीर का चैंपियन बनना तय हो गया था और इसी वजह से कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने केएल राहुल को बॉलिंग दे दी। रणजी ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले से पहले केएल राहुल ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में 168 गेंद डाले थे और कोई विकेट नहीं लिया था। वह 81वें ओवर में बॉलिंग करने आए। अपने दूसरे ओवर में राहुल के पास विकेट लेने का मौका था। उनकी गेंद पर साहिल लोत्रा के बल्ले का किनारा लेकर गेंद स्लिप में गई लेकिन मयंक अग्रवाल ने आसान कैच गिरा दिया। मयंक अग्रवाल और केएल राहुल काफी करीबी दोस्त है। दोनों एज ग्रुप क्रिकेट के साथ खेल रहे हैं। कैच ड्रॉप होने के बाद राहुल गुस्से में नजर आ रहे थे। वहीं मयंक के चेहरे पर हंसी थी। मैच विकेट का मैच पर कोई असर पड़ने वाला नहीं था। जम्मू कश्मीर का चैंपियन बनना तय था। ओवर खत्म होने के बाद राहुल बाउंड्री पर फील्डिंग करने चले गए तो वहीं मयंक अग्रवाल देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर को कैच छुटने के बारे में समझा रहे थे। कर्नाटक ने दूसरी पारी में 8 खिलाड़ियों से गेंदबाजी करवाई। राहुल ने दो ओवर में 15 रन दिए। मयंक अग्रवाल ने भी दो ओवर डाले।

वेस्टइंडीज से मुकाबले से पहले कालीघाट मंदिर पहुंचे गौतम गंभीर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2026 का अपना आखिरी सुपर–8 मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को खेलना है। मैच कोलकाता के ईडन गार्डेन में शाम 7 बजे से खेला जाना है। मैच से एक दिन पहले शनिवार को टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर मंदिर कालीघाट मंदिर पहुंचे।गौतम गंभीर कालीघाट मंदिर में पूजा–अर्चना करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले से पहले काली माता का आशीर्वाद लिया है।वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाला मुकाबला भारतीय टीम के लिए क्वार्टर फाइनल की तरह है। भारतीय टीम को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए किसी भी कीमत पर वेस्टइंडीज को हराना होगा। वेस्टइंडीज के लिए भी यही स्थिति है। अगर वेस्टइंडीज भारतीय टीम को हराने में कामयाब रहती है तो सेमीफाइनल में जगह बना लेगी।

भारतीय टीम आज कोलकाता में होने वाले मैच में वेस्टइंडीज को हल्के में बिल्कुल नहीं लेगी। वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप 2026 में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। टीम ग्रुप स्टेज में बिना कोई मैच गंवाए अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए सुपर–8 में पहुंची है। सुपर–8 में वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज की, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम को हार का सामना करना पड़ा। भारत का विश्व कप में सफर भी वेस्टइंडीज की तरह ही रहा है। टीम इंडिया भी सुपर–8 में एकमात्र मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हारी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वेस्टइंडीज और भारत की हार ने दोनों टीमों के लिए सेमीफाइनल का रास्ता बचाए रखा है।

कामरान इकबाल ने शतक ठोका, उमर अब्दुल्ला ने खड़े होकर ताली बजाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हुबली। रणजी ट्रॉफी 2025–26 के फाइनल में जम्मू कश्मीर के लिए दूसरी पारी में कामरान इकबाल ने शतक लगा दिया है। टीम ने सिर्फ 11 रनों के स्कोर पर अपने दो विकेट खो दिए थे। यहां से कामरान ने ना सिर्फ पारी संभाली, बल्कि शतक भी लगा दिया। 189 गेंदों पर इकबाल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपना दूसरा शतक लगा दिया। वह क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में टीम का हिस्सा भी नहीं थे। जम्मू कश्मीर के सलामी बल्लेबाज शुभम खजुरिया फाइनल मुकाबले से एक दिन पहले चोटिल हो गए थे। कामरान इकबाल टीम का हिस्सा भी नहीं थे। वह मैच से 30 मिनट पहले ही स्टेडियम पहुंच पाए थे। टॉस से 30 मिनट पहले इकबाल ग्राउंड पर पहुंच पाए थे। पहली पारी में उनका बल्ला नहीं चला लेकिन दूसरी पारी में शतक ठोक दिया है। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक साफ हो गया कि जम्मू कश्मीर रणजी ट्रॉफी की नई चैंपियन बनेगी। टीम को सपोर्ट करने सीएम उमर अब्दुल्ला ने कारमान के शतक पर खड़े होकर ताली बजाई।

थाल सेवा कार्यक्रम में शामिल होते हुए मुख्यमंत्री धामी।

संक्षिप्त समाचार

होली और ईद को लेकर दून पुलिस अलर्ट

संवाददाता देहरादून। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के निर्देश पर जिले के सभी थानों में हुई सर्वधर्म समभाव की बैठक देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता होली, ईद और वर्तमान में चल रहे रमजान माह के मद्देनजर दून पुलिस अलर्ट मोड पर है। त्योहारों को आपसी सौहार्द और शांतिपूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से, एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में सभी धर्मों के संभ्रांत नागरिकों, सीएलजी सदस्यों और जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से त्योहारों को मिलजुलकर मनाने की अपील की। इस दौरान सख्त हिदायत दी गई कि त्योहारों की आड़ में किसी भी नई परंपरा की शुरुआत नहीं की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि माहौल बिगाड़ने और अराजकता फैलाने वाले तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा।

पुलिस लाइन में पांच पुलिसकर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

संवाददाता देहरादून। पुलिस लाइन में शनिवार को सेवानिवृत्त होने वाले पांच पुलिसकर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। एसएसपी ने सभी को शॉल, स्मृति चिह्न और उपहार देकर भावभीनी विदाई दी। एसएसपी ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मी हमेशा पुलिस परिवार का अभिन्न अंग रहेंगे। भविष्य में भी विभाग उनकी हरसंभव मदद के लिए साथ खड़ा रहेगा। विदाई लेने वालों में उपनिरीक्षक राजकुमार शर्मा व वीर सिंह, महिला हेड कांस्टेबल आशा रावत भंडारी, हेड कांस्टेबल (एमटी) प्रेम लाल खंडूरी और लीडिंग फायरमैन योगेंद्र कुमार शामिल रहे। उन्होंने अपने अनुभव साझा किए, जिनसे एसएसपी ने अन्य कर्मियों को सीख लेने को कहा।

दून टेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष बने सुभाष चंद्र

संवाददाता देहरादून। देहरादून टेंट वेलफेयर एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन शनिवार को चकशाह नगर स्थित कार्यालय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम चरण में पूर्व अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव ने एसोसिएशन के पिछले तीन वर्षों के कार्यकाल का पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।

नारी सम्मान और सुरक्षा केवल नारा नहीं, बल्कि अटल संकल्प: सीएम

टीकाकरण अभियान

■प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया

संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के अजमेर से 14 वर्ष की लड़कियों के लिए सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध देशव्यापी ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज से वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज में स्थापित एचपीवी टीकाकरण कक्ष का भी निरीक्षण किया तथा एचपीवी टीकाकरण हेतु आई 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं से भी वार्ता की एवं उन्हें इस टीके के लाभ के बारे में अवगत कराया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह अभियान स्वास्थ्य कार्यक्रम होने के साथ मातृशक्ति के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि एचपीवी टीकाकरण के इस अभियान की शुरुआत करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सिद्ध कर दिया है कि उनके लिए नारी सम्मान और सुरक्षा केवल नारा नहीं, बल्कि अटल संकल्प है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर मातृशक्ति के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। भारत में इस गंभीर बीमारी से वर्ष 2024 में ही 78 हजार से अधिक मामले सामने आए, जिसके कारण 42 हजार से अधिक महिलाओं की दुःखद मृत्यु हुई। यह बीमारी हजारों परिवारों के लिए पीड़ा का कारण बन रही है। इसी गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्तर पर एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ करने का निर्णय लिया, ताकि इस बीमारी की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके और आने वाली पीढ़ी को एक सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य प्रदान किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान के अजमेर से प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए इस अभियान के अंतर्गत देशभर में 14 वर्ष की लगभग 1 करोड़ 15 लाख से अधिक किशोरियों को मुफ्त एचपीवी वैक्सीन दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य में भी इस अभियान के प्रथम चरण में 155 केंद्रों पर व्यापक स्तर पर टीकाकरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस अभियान की सफलता के लिए डॉक्टरों, नर्सों, एएनएम, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है ताकि कोल्ड–चेन व्यवस्था मजबूत हो।

मुख्यमंत्री ने अभियान को सफल बनाने के लिए प्रदेश के सभी फ्रंटलाइन हेल्थ वॉरियर्स का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के प्रत्येक नागरिक के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है और उसे प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा है। देश में स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। पहले जहाँ देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, आज वे बढ़कर 819 हो गए हैं। आज मेडिकल छात्रों की संख्या में डेढ़ गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में 23 नए एम्स बनाकर देश के मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार भी 'स्वस्थ उत्तराखण्ड, समृद्ध उत्तराखण्ड' के अपने सपने को साकार करने के लिए प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण पर निरंतर कार्य कर रही है।

अपनी बेटियों का एचपीवी टीकाकरण अवश्य करवाए

मुख्यमंत्री ने अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रम में न आएँ और अपनी बेटियों का एचपीवी टीकाकरण अवश्य करवाएँ। यह केवल एक टीका नहीं, बल्कि उनके स्वस्थ जीवन का सुरक्षा कवच है। मुख्यमंत्री ने सभी शिक्षकों, पंचायत प्रतिनिधियों, महिला समूहों, धार्मिक और सामाजिक संगठनों से भी अपील करते हुए कहा कि वे इस अभियान के प्रति समाज में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने का कार्य करें और आगामी तीन महीनों में यह सुनिश्चित करने का प्रयास करें कि कोई भी बालिका इस सुरक्षा कवच से वंचित न रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम

शुभारंभ

■मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी में पीएसपी मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का किया शुभारंभ

संवाददाता

देहरादून। शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद नैनीताल के हल्द्वानी भ्रमण के दौरान रामपुर रोड स्थित पीएसपी मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अवसर केवल एक अस्पताल के उद्घाटन का नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चय, संघर्ष और सेवा की प्रेरक यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पीएसपी मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का शुभारंभ समाज के प्रति समर्पित एक ऐसे परिवार की कहानी को दर्शाता है, जिसने अपने जीवन मूल्यों को कर्म के माध्यम से साकार किया है।

मुख्यमंत्री ने संस्थान के संस्थापक, जनपद बागेश्वर के गागरी गोल गांव से निकलकर स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले श्री जगदीश सिंह पिमोली को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एक साधारण ग्रामीण परिवेश से प्रारंभ हुई उनकी यात्रा आज स्वास्थ्य सेवा के इस आधुनिक केंद्र तक पहुँची है, जो हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। श्री पिमोली का संघर्ष, परिश्रम और संकल्प आज उनकी सफलता की सच्ची मिसाल है। दूरस्थ गांव से आकर उन्होंने पहले व्यापार के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई और अब चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश कर मानव सेवा के इस पवित्र कार्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 250 बेड का यह आधुनिक मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित है। यह संस्थान भविष्य में चिकित्सा उत्कृष्टता के मानचित्र पर उत्तराखंड को और अधिक सशक्त बनाएगा।

पार्षदों के पक्ष में उतरी कांग्रेस, एसएसपी को ज्ञापन

संवाददाता देहरादून। महानगर कांग्रेस कमेटी ने पार्टी पार्षदों पर लगाए जा रहे आरोपों को निराधार और राजनीति से प्रेरित बताते हुए शनिवार को एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय व समयबद्ध जांच कराकर झूठे आरोप लगाने वालों पर सख्त विधिक कार्रवाई की मांग की है। महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि पार्षदों पर आरोप राजनीतिक साजिश का हिस्सा हैं। विपक्ष की आवाज दबाने और जनता का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाने के लिए झूठी कहानियां गढ़ी जा रही हैं। वहीं, प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने चेतावनी दी कि यदि पार्षदों की छवि खराब करने का प्रयास हुआ तो संगठन चुप नहीं बैठेगा। प्रशासन राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर निष्पक्ष जांच करे, अन्यथा कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन के लिए बाध्य होगी।

जिला बदर अवधि से पहले दून लौटा गुंडा एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता देहरादून। गुंडा एक्ट के तहत छह महीने के लिए जिला बदर किया गया एक आरोपी निर्धारित अवधि पूरी होने से पहले ही चोरी–छिपे दून लौट आया। एसएसपी के निर्देशों पर अपराधियों पर नजर रख रही रायपुर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। एसओ गिरीश नेगी जिलाधिकारी के आदेश पर बालावाला की नंदनी कॉलोनी निवासी जगवीर सिंह नेगी (32) पुत्र युद्धवीर सिंह नेगी को गुंडा एक्ट में छह माह के लिए जिला बदर किया गया था। वह आदेशों का उल्लंघन कर दून सीमा में प्रवेश कर गया।